UNIVERSITY NEWS 22 APRIL 2026

DAINIK JAGRAN

एक नजर में

प्रो.अभिषेक बने अपर कुलानुशासक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में विधि विभाग के प्रो. अभिषेक तिवारी को अपर कुलानुशासक बनाया गया है। मंगलवार को उन्होंने कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर सभी शिक्षकों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। वि.

प्रो. अभिषेक तिवारी

हास्टलों को फर्स्ट एड बाक्स

लखनऊ : लवि के आरोग्य भवन (डिस्पेंसरी) में कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए फर्स्ट एड बाक्स का वितरण किया। यह वितरण सभी हास्टलों एवं कुछ विभागों के लिए किया गया ताकि छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के दौरान किसी प्रकार की दिक्कत होने पर जैसे सिर दर्द, पेट दर्द, बुखार होने पर उन्हें तत्काल दवा दी जा सके। डीएसडब्ल्यू प्रो. अमिता कन्नौजिया भी मौजूद रहीं। वि.

लवि में शुरू होंगे 43 नए डिग्री कोर्स

कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी, बढ़ेंगी 2326 सीटें

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय (लुलू) ने आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए 43 नए पाठ्यक्रमों को स्वीकृति प्रदान की है। इसमें 11 स्नातक (यूजी), 10 स्नातकोत्तर (पीजी) और 22 माइनर डिग्री कोर्स शामिल हैं। इसके अलावा पांच सह-पाठ्यक्रम और व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में बताया कि नए पाठ्यक्रम मुख्य रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित हैं।

सीटों में वृद्धि और प्रवेश प्रक्रिया में बदलाव: कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 2,326 सीटों की वृद्धि को मंजूरी दी है। पेशेवर पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता सुधारने के लिए एलएलबी में प्रवेश अब "नीट" और एमबीए में प्रवेश "कैट" के माध्यम से लिए जाएंगे। मूल्यांकन प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए एक समिति गठित की गई है, जो एब्सोल्यूट और रिलेटिव ग्रेडिंग सिस्टम लागू करने पर विचार करेगी। छात्रों की बहुमुखी रुचि को देखते हुए 22 माइनर डिग्री कोर्स शुरू किए गए हैं। छात्र स्नातक के दूसरे वर्ष से 20 क्रेडिट के माइनर कोर्स अपनी रुचि से पूर्ण कर सकेंगे। इनमें सोशल साइंसेज, एआई एंड ह्यूमन विहेवियर, साइबर पालिसी और एप्लाइड डिजिटल गवर्नेंस जैसे विषय शामिल हैं। इसके अलावा पांच सह-पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए हैं।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी • साजद्दा

प्रमुख नए पाठ्यक्रम

- स्नातक: बी.एससी. (कंप्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स), बी.डाम (रिटेल मैनेजमेंट, ई-कामर्स), बीसीए (एआई, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी), बीए एलएलबी और बैचलर आफ होटल मैनेजमेंट।
- परास्नातक: एमएस.सी. (एआई, डेटा साइंस, वाइल्ड लाइफ साइंसेज), एमए (पैरेंटिंग, वास्तुशास्त्र), एम.एमर्स और एमए (न्यूट्रिशनल साइंसेज)।
- डिप्लोमा: नेशनल रिसर्च एंड गवर्नेंस, साइबर सिक्योरिटी और टूरिज्म में पीजी डिप्लोमा आदि।

माइनर डिग्री कोर्स

सोशल साइंसेस एंड डेटा एनालिसिस, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड ह्यूमन बिहेवियर, साइबर पालिसी एंड डिजिटल गवर्नेंस, एप्लाइड फिलासफी, एसोसिएट डिग्री एंड एसोसिएट इंडियन कल्चर एंड आर्किवोलाजी, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन एंड मास डिमोक्रेसी, एंथ्रोपोलाजी एंड फारेंसिक साइंस, सिक्स्थ इन सोशल वर्क प्रैक्टिस, कम्युनिटी एंड हेल्थ एजुकेशन, पीपुल्स एंड ह्यूमन राइट्स, साइबर पालिसी और एप्लाइड डिजिटल गवर्नेंस, अप्लाइड फिलासफी, एआईएच एंड एंसियंट इंडियन कल्चर एंड आर्किवोलाजी, जर्नलिज्म एंड मास डिमोक्रेसी, एंथ्रोपोलाजी एंड फारेंसिक साइंस, सिक्स्थ इन सोशल वर्क प्रैक्टिस, कम्युनिटी एंड हेल्थ एजुकेशन, पीपुल्स एंड ह्यूमन राइट्स, सभी प्रायोगिक और लिखित परीक्षाएं सीसीटीवी की निगरानी में होंगी और रिकार्डिंग अनिवार्य रूप से विश्वविद्यालय को सौंपनी होगी। सभी निर्माण कार्यों का थर्ड-पार्टी मूल्यांकन कराया जाएगा। विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेजों के उत्थान के लिए भी रोडमैप तैयार किया गया है।

लवि में मेगा प्लेसमेंट ड्राइव कल, 1500 से ज्यादा पंजीकरण

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट सेल (मुख्य परिसर) की ओर से 23 अप्रैल को मेगा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मंगलवार शाम तक 1500 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। 22 अप्रैल तक पंजीकरण का अंतिम मौका है।

प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रोफेसर अनुज कुमार भारतीय ने बताया कि एपी सेन सभागार में सुबह नौ बजे से प्लेसमेंट ड्राइव की शुरुआत होगी। इसमें लगभग 11 प्रमुख कंपनियां भाग लेंगी, जो 4000 से अधिक पदों पर भर्ती करेंगी। इन कंपनियों में वित्त, निर्माण, टेलीकॉम, लाजिस्टिक्स, हार्डवेयर्डिस्ट्री एवं सेवा क्षेत्र में व्यापक स्तर पर नियुक्तियां की जाएंगी। मुख्य पदों में सॉफ्टवेयर सेल्स आफिसर, टेली-कालर, मशीन आपरेटर, क्वालिटी इंजीनियर, इलेक्ट्रीकल असिस्टेंट, असेंबली आपरेटर, टेक्नीशियन, सेल्स एक्जीक्यूटिव, ट्रेनी शेफ आदि पद शामिल हैं। चयनित विद्यार्थियों को 28,000 प्रतिमाह तक का वेतन, साथ ही करियर उन्नति के अवसर प्रदान किए जाएंगे। विद्यार्थियों के साथ समन्वय स्थापित किया जा कर रहा है। वि.

AMRIT VICHAR

श्रीमद्भागवत गीता से एस्ट्रो फीजिक्स तक पढ़ाएंगे

कुलपति बोले, लविवि में 11 स्नातक, 10 स्नातकोत्तर और 22 माइनर डिग्री विकल्प शुरू, 2326 सीटें भी बढ़ाईं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : अंतरिक्ष विज्ञान से लेकर श्रीमद्भागवत गीता, एआई, मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, पौरोहित्य, वास्तुशास्त्र और वाइल्ड लाइफ जैसे विषयों में नए पाठ्यक्रम शुरू कर लखनऊ विश्वविद्यालय शैक्षिक क्षेत्र में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने घोषणा की है कि नए सत्र से ऐसे कई पाठ्यक्रम आरंभ होंगे, जो उत्तर भारत के विश्वविद्यालयों में पहली बार शुरू किए जा रहे हैं। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शैक्षणिक, प्रशासनिक और अधोसंरचनात्मक सुधारों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय में 11 नए स्नातक, 10 स्नातकोत्तर और 22 माइनर डिग्री कार्यक्रमों की शुरुआत की गई है। इसके साथ ही पांच सह-पाठ्यक्रम और व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी जोड़े गए हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों को वर्तमान शैक्षणिक और औद्योगिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें रोजगारपरकता और अंतर्विषयक अध्ययन पर विशेष जोर दिया गया है। कुछ पाठ्यक्रमों में विषय की बाध्यता भी समाप्त की गई है, जिससे अलग पृष्ठभूमि के छात्र भी नए क्षेत्रों में प्रवेश ले सकेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी व अन्य अधिकारी नए पाठ्यक्रमों की शुरुआत पर बातचीत करते हुए। अमृत विचार

माइनर डिग्री कार्यक्रम: नई शैक्षणिक संरचना के तहत माइनर डिग्री कार्यक्रमों का विस्तार किया गया है। छात्र अपने मुख्य पाठ्यक्रम के साथ अतिरिक्त योग्यता के रूप में माइनर डिग्री चुन सकेंगे। दूसरे वर्ष से इसे शुरू कर 20 क्रेडिट अपनी गति से पूरे किए जा सकते हैं। यह व्यवस्था बहुविषयक रुचि रखने वाले छात्रों के लिए लाभकारी मानी जा रही है।

प्रवेश प्रक्रिया और सीट वृद्धि: विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 2326 सीटों की वृद्धि को मंजूरी दी है। पेशेवर पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय मानकों के अनुसार लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लेट) से और एमबीए में प्रवेश कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के माध्यम से कराया जाएगा।

संबद्ध महाविद्यालयों का विकास व अधोसंरचना: संबद्ध महाविद्यालयों के विकास के लिए रोडमैप तैयार किया गया है। सरकारी और सहायता प्राप्त महाविद्यालयों से परामर्श किया जा चुका है, जबकि स्ववित्तपोषित संस्थानों के साथ बैठकें प्रस्तावित हैं। प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शोध अधोसंरचना का विकास, मान्यता परिणामों में सुधार और संस्थागत रैंकिंग को बढ़ाना शामिल है। पात्रदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और फैकल्टी चयन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और सभी अभिलेख विश्वविद्यालय सर्वर पर सुरक्षित रखे जाएंगे।

नए पाठ्यक्रमों की झलक

- स्नातक स्तर पर बीएससी कम्प्यूटेशनल एस्ट्रोफिजिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड ह्यूमन बिहेवियर, साइबर पालिसी एंड डिजिटल गवर्नेंस, एप्लाइड फिलासफी, एसोसिएट डिग्री एंड एसोसिएट इंडियन कल्चर एंड आर्किवोलाजी, जर्नलिज्म एंड मास डिमोक्रेसी, बीए एलएलबी और होटल मैनेजमेंट जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं।

  परास्नातक स्तर पर एमएससी एआई, डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, एमएससी वाइल्ड लाइफ, एमए पौरोहित्य, वास्तुशास्त्र, पोषण विज्ञान, एमएमर्स तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में टूरिज्म और कल्चरल हेरिटेज समेत कई नए कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

मूल्यांकन और परीक्षा सुधार

- मूल्यांकन प्रणाली में सुधार के लिए एक समिति गठित की गई है, जो एब्सोल्यूट और रिलेटिव ग्रेडिंग सिस्टम लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन करेगी। परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए सभी परीक्षाएं, जिनमें प्रायोगिक भी शामिल हैं, कैमरा निगरानी में कराई जाएंगी और उनकी रिकॉर्डिंग विश्वविद्यालय को सौंपी जाएगी। पुनः परीक्षा की स्थिति में नए केंद्र निर्धारित किए जाएंगे।

VOICE OF LUCKNOW

विभिन्न पाठ्यक्रमों में 2,326 सीटों की वृद्धि को दी मंजूरी : प्रो. जेपी सैनी

- लविवि के कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने पत्रकारवार्ता कर सुधारों की रूपरेखा की प्रस्तुत

विशेष संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शैक्षणिक, प्रशासनिक और अधोसंरचनात्मक सुधारों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. सैनी ने बताया कि विवि ने 11 नये स्नातक कार्यक्रम, 10 स्नातकोत्तर कार्यक्रम और 22 माइनर डिग्री विकल्पों की शुरूआत की है। इसके अतिरिक्त पांच सह-पाठ्यक्रम एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैं। ये सभी पहलें उभरती हुई शैक्षणिक और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप हैं, जिनमें प्रवेश को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किया जा रहा है—एलएलबी प्रवेश अब कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लेट) से और एमबीए प्रवेश कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) से होंगे।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन प्रणाली में सुधार के लिए एक समिति गठित की है, जो एब्सोल्यूट और रिलेटिव ग्रेडिंग सिस्टम लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन करेगी। इसका उद्देश्य शैक्षणिक निष्पक्षता और मानकीकरण को बढ़ाना है।

कुलपति ने संबद्ध महाविद्यालयों के उत्थान के लिए एक विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। सरकारी एवं सहायता प्राप्त महाविद्यालयों से परामर्श किया जा चुका है और स्ववित्तपोषित संस्थानों के साथ बैठकें प्रस्तावित हैं। प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शोध अधोसंरचना का विकास, मान्यता परिणामों में सुधार और संस्थागत रैंकिंग को बढ़ाना शामिल है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और फैकल्टी चयन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और सभी अभिलेख विश्वविद्यालय सर्वर पर सुरक्षित रखे जाएंगे। परीक्षा संबंधी अनुचित गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाए गए हैं।

HINDUSTAN

एलयू में 22 माइनर डिग्री कोर्स की होगी शुरुआत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2026-27 से 22 माइनर डिग्री कोर्स शुरू किए जाएंगे। जिसे विद्यार्थी अपने मुख्य स्नातक पाठ्यक्रम के साथ अतिरिक्त योग्यता के लिए चुन सकेंगे। यूजी छात्र दूसरे वर्ष से माइनर डिग्री कोर्स शुरू कर सकते हैं। यह माइनर डिग्री कार्यक्रम कुल 20 क्रेडिट के होंगे।

स्नातक स्तर पर इसमें कुल पांच पेपर शामिल किए गए हैं। यह बातें कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने मंगलवार को उमा हरिकृष्ण अवस्थी सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में कही। प्रेस वार्ता में प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव ने माइनर डिग्री कोर्स के बारे में बताया कि कला, विज्ञान, वाणिज्य, प्रबंधन और इंजीनियरिंग समेत अन्य संकायों की ओर से कुल 22 कोर्स शुरू हो रहे हैं। अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. अरविंद मोहन, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रवेश सेल के अध्यक्ष प्रो. पंकज माथुर समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

ये कोर्स होंगे: इसमें सोशल साइंसेज एंड डेटा एनालिसिस, एआई एंड ह्यूमन बिहेवियर, साइबर पालिसी एंड डिजिटल गवर्नेंस, अप्लाइड फिलॉस्फी, एआईएच एंड एंसियंट इंडियन कल्चर एंड आर्किवोलॉजी, जर्नलिज्म एंड मास क्रिएटिव राइटिंग कम्युनिकेशन, एंथ्रोपोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, सिक्स्थ इन सोशल वर्क प्रैक्टिस, कम्युनिटी एंड हेल्थ एजुकेशन, पीपुल्स एंड ह्यूमन राइट्स, रूरल डेवलेपमेंट, क्राइम प्रिवेंशन, फॉरेंसिक एंड क्रिमिनल जस्टिस एडमिनिस्ट्रेशन, इकोनॉमिक बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन सस्टेनबल इकोनॉमिक डेवलपमेंट, अप्लाइड हिन्दी, फलित ज्योतिष शामिल है। इसी तरह एआई एंड एमएल, डेटा साइंस, इंडस्ट्रियल कंट्रोल एंड ड्राइव सिस्टम्स आदि हैं।

पांच को-करिकुलर और वोकेशनल कोर्स भी होंगे

कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी का कहना है कि पांच वोकेशनल, कोकरिकुलर कोर्सों की शुरूआत भी नए सत्र से होगी। इसमें श्रीमद्भगवदगीता फॉर हॉलिस्टिक वेल बीइंग, फॉर नैविगेटिंग कंटेम्परी वैलेजेंस, भारतीय नाट्य शास्त्र, भारतीय सौन्दर्यशास्त्र और एआई फॉर ऑल का नाम है।

इनमें बढ़ीं सीटें

बीएससी गणित, सांख्यिकी व कंप्यूटर साइंस, बीएससी जूलॉजी, बॉटनी व केमिस्ट्री, बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स, एलएलबी पांच वर्ष, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी, बायोकेमिस्ट्री, सांख्यिकी बायोटेक, एमए समाजशास्त्र, एमकॉम कॉमर्स, एमए अस्पताल प्रशासन में 2326 सीटें बढ़ी है।

NBT

GGIC, KD सिंह और LU चैंपियन

अस्मिता खेलो इंडिया जिला महिला लीग

■ **NBT न्यूज, लखनऊ:** खेल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर मंगलवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में अस्मिता खेलो इंडिया जिला महिला लीग हुई। इसमें महिला खिलाड़ियों के बीच कबड्डी, हैंडबॉल और वॉलीबॉल के मुकाबले खेले गए। कबड्डी में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) विकासनगर, हैंडबॉल में केडी सिंह बाबू स्टेडियम और वॉलीबॉल में लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बाजी मारी।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम के बहुउद्देशीय हाल में जीजीआईसी विकासनगर ने फाइनल में दयानंद गर्ल्स कॉलेज को 37-12 से हराया। इससे पहले विकासनगर ने सेमीफाइनल में चौक स्टेडियम को 37-13 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। कबड्डी मुकाबलों का शुभारंभ रेडक्रॉस यूपी की पूर्व सचिव डॉ. हेमा बिंदु नायक ने किया। समापन समारोह में समाजसेवी मुरलीधर आहूजा ने पुरस्कार बांटे। हैंडबॉल में केडी सिंह बाबू स्टेडियम की टीम ने फाइनल में केजी एएमसी को 10-7 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। सेमीफाइनल में केडी सिंह स्टेडियम ने मारंट कार्मेल के खिलाफ जीत दर्ज की थी। स्पर्धा के दौरान केडी सिंह बाबू स्टेडियम के हैंडबॉल कोच मो. तौहीद मौजूद रहे।

AMAR UJALA

लविवि में शुरू होंगे रोजगारपरक कोर्स, नहीं बढ़ेगी पीजी की फीस

शुरू होंगे स्नातक के दस, पीजी के 11 और माइनर डिग्री के 22 नए कोर्स

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक में सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों की फीस में बढ़ोतरी और इस पर विरोध के बाद कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने मंगलवार को प्रेसवार्ता के जरिये फीसवृद्धि पर अपना पक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए, बढ़ते खर्च और संसाधनों की जरूरत को देखते हुए केवल सेल्फ फाइनेंस पाठ्यक्रमों की फीस बढ़ाई जा रही है। रेगुलर पाठ्यक्रमों की फीस में बढ़ोतरी नहीं की गई है। पीजी के पाठ्यक्रमों की फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। अब लविवि में शिक्षा को और आधुनिक, समसामयिक, रोजगारपरक व छात्र-केंद्रित बनाया जाएगा। जल्द ही दो गर्ल्स और एक बॉयज छात्रावास की सौगात मिलेगी।

नए सत्र के लिए कई रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को खास तौर पर डिजाइन किया गया है। कई तो ऐसे कोर्स हैं जो पूरे देश में महज कुछ संस्थानों में हैं। नए सत्र में 11 नए स्नातक, 10 स्नातकोत्तर और 22 माइनर डिग्री कार्यक्रम भी शुरू किए हैं। साथ ही पांच नए व्यावसायिक कोर्स भी जोड़े गए हैं। अब विद्यार्थी अपने मुख्य विषय के साथ दूसरी रुचि का माइनर कोर्स भी कर सकेंगे। प्रेसवार्ता में कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के साथ प्रो. अनित्य गौरव, प्रो. अमिता कन्नौजिया, प्रो. मुकुल श्रीवास्तव, डॉ. गीतांजलि मिश्रा आदि मौजूद रहे।

जानकारी देते कुलपति प्रो. जयप्रकाश सैनी (मध्य में)। साथ में प्रो. अनित्य गौरव, प्रो पंकज माथुर, डॉ. भावना मिश्रा, प्रो. अरविंद मोहन, प्रो. अमिता कन्नौजिया, विद्यानंद त्रिपाठी व प्रो. राकेश द्विवेदी। अमर उजाला

जल्द मिलेंगे दो गर्ल्स एक बॉयज छात्रावास

■ **क्लेट और कैट के जरिये भी होंगे प्रवेश :** कुलपति ने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया को भी राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप किया जा रहा है। एलएलबी में प्रवेश अब क्लेट और एमबीए में कैट के जरिये होगा। साथ ही विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 2,326 सीटें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। सभी परीक्षाएं कैमरे की निगरानी में होंगी। प्रोक्टर सिस्टम सुधारने के लिए एक समिति बनाई गई है।

■ **सभी अंदाजा ने दिए जवाब :** बीते फरवरी में कुलपति का कार्यभार संभालने के बाद प्रो. सैनी की मंगलवार को पहली प्रेसवार्ता थी। उनके पास छात्रहित में लिए गए फैसलों की लंबी फेहरिस्त थी। नए पाठ्यक्रमों, नीतिगत बदलावों, नए फैसलों आदि के आंकड़ों और फैक्ट्स की तैयारी के साथ प्रेसवार्ता में मुखातिब हुए। कई तीखे सवालों का उन्होंने सभी हुए अंदाज में जवाब दिया।

AMAR UJALA

अब तितलियों से लेकर बंगाल टाइगर तक की होगी पढ़ाई

विनीत चतुर्वेदी

वाइल्ड लाइफ में परास्नातक में होगी वन्यजीवों के संरक्षण फोटोग्राफी, पत्रकारिता की पढ़ाई

लखनऊ। प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति रुचि रखने वाले युवाओं के लिए अच्छी खबर है। अब तितलियों की रंगीन दुनिया से लेकर बंगाल टाइगर समेत दुर्लभ वन्य पशु-पक्षियों के जीवन, उनकी पहचान, रखरखाव आदि की पढ़ाई लखनऊ विश्वविद्यालय में संभव होगी।

नए सत्र से विश्वविद्यालय वाइल्ड लाइफ साइंसेज में एमएससी पाठ्यक्रम शुरू करने जा रहा है, जो अपने आप में अनूठा और आधुनिक माना जा रहा है। इस पाठ्यक्रम की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रवेश के लिए केवल विज्ञान पृष्ठभूमि जरूरी नहीं है। आर्ट या किसी भी विषय से स्नातक छात्र, यदि वन्यजीवों में रुचि रखते हैं, तो इसमें दाखिला ले सकेंगे।

दो वर्षीय इस पीजी कोर्स में वन्यजीवों की पहचान, संरक्षण, फोटोग्राफी, वाइल्ड लाइफ फोरेंसिक और आधुनिक तकनीकों की पढ़ाई कराई जाएगी। साथ ही वाइल्ड लाइफ जर्नलिज्म को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जिससे इस क्षेत्र में कॅरिअर बनाने के इच्छुक छात्रों को नया अवसर मिलेगा।

लविवि के जूलॉजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. अमिता कन्नौजिया ने बताया कि शुरुआत में इस कोर्स के लिए 38 सीटें निर्धारित की गई हैं। यह पाठ्यक्रम देश के प्रमुख संस्थानों - भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून, मुंबई विश्वविद्यालय और नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज बंगलूरू जैसे देश के नामी संस्थानों में चल रहे कार्यक्रमों से प्रेरित होकर तैयार किया गया है।

■ **जानें किस तरह खास होगा यह कोर्स :** वाइल्डलाइफ साइंसेज के इस पाठ्यक्रम में छात्रों को प्रकृति और जीव-जंतुओं की बेहतर समझ दी जाएगी। इसमें वन्यजीवों के संरक्षण और उनके आवास को सुरक्षित रखने की तकनीकें, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी और जर्नलिज्म के गुर सिखाए जाएंगे। फील्ड वर्क के दौरान जीपीएस, ड्रोन और रेडियो टेलीमेट्री जैसे आधुनिक उपकरणों से जानवरों की ट्रैकिंग और सर्वे करना सिखाया जाएगा। पशुओं के व्यवहार, उनकी जीवनशैली, वन्यजीव फोरेंसिक, अवैध शिकार की जांच और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के व्यावहारिक तरीके भी पढ़ाए जाएंगे।

AMRIT VICHAR

डॉ. भावना मिश्रा को फर्स्ट एड बॉक्स सौंपते कुलपति प्रो. जेपी सैनी।

सभी छात्रावासों में फर्स्ट एड सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के हित के लिए आरोग्य भवन से फर्स्ट एड बॉक्स का वितरण किया गया। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने विश्वविद्यालय के सभी छात्रावास एवं कुछ विभागों में इसे भेजा जिससे किसी छात्र के अस्वस्थ होने पर तुरंत प्राथमिक उपचार किया जा सके। आवश्यकता पड़ने पर छात्र-छात्राओं को आरोग्य भवन (डिस्पेंसरी) में इलाज के लिए भेजा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर एवं नवीन परिसर दोनों में छात्र-छात्राओं को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए क्रमशः आरोग्य भवन एवं सुश्रूत चिकित्सालय की स्थापना की गई है। कुलपति जय प्रकाश सैनी जी द्वारा छात्र-छात्राओं के हित के लिए सुबह के समय गांधी पार्क टैगोर के सामने योग का कार्यक्रम लगातार संचालित किया जा रहा है। योग कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं के लिए कैलाश छात्रावास में नियमित रूप से योगा क्लास का संचालन किया जा रहा है।

AAJ

पारदर्शिता और गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में निर्णायक कदम- कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने आज कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शैक्षणिक, प्रशासनिक और अधोसंरचनात्मक सुधारों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। यह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक विविधता, पारदर्शिता और गुणवत्ता संवर्धन की दिशा में एक निर्णायक पहल है।विश्वविद्यालय ने 11 नए स्नातक कार्यक्रम, 10 स्नातकोत्तर कार्यक्रम और 22 माइनर डिग्री विकल्पों की शुरुआत की है। इसके अतिरिक्त पाँच सह-पाठ्यक्रम एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैं। ये सभी पहलें उभरती हुई शैक्षणिक और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप हैं, जिनमें

रोजगारपरकता और अंतर्विषयक अध्ययन पर विशेष बल दिया गया है। कुलपति प्रो. सैनी ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भारतीय ज्ञान परंपरा को शैक्षणिक फोकस में लाया गया है, ताकि पारंपरिक ज्ञान ढाँचे को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा सके। नए शैक्षणिक ढाँचे की प्रमुख विशेषता माइनर डिग्री कार्यक्रमों का विस्तार है। छात्र अपने मुख्य स्नातक पाठ्यक्रम के साथ-साथ अतिरिक्त योग्यता के रूप में इन माइनर डिग्री को चुन सकेंगे। वे दूसरे वर्ष से माइनर प्रारंभ कर 20 क्रेडिट अपनी गति से पूर्ण कर सकते हैं। यह पहल विशेष रूप से उन छात्रों के लिए है जिनकी बौद्धिक रुचियाँ विविध हैं और जो तेज़ी से सीखने की क्षमता रखते हैं।विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 2,326 सीटों की वृद्धि को मंजूरी दी है। साथ ही, पेशेवर पाठ्यक्रमों में प्रवेश को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किया जा रहा है—एलएलबी प्रवेश अब कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट से और एमबीए प्रवेश कॉमन एडमिशन टेस्ट से होंगे।विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन प्रणाली में सुधार हेतु एक समिति गठित की है, जो एब्सोल्यूट और रिलेटिव ग्रेडिंग सिस्टम लागू करने की संभावनाओं का अध्ययन करेगी। इसका उद्देश्य शैक्षणिक निष्पक्षता और मानकीकरण को बढ़ाना है।कुलपति ने संबद्ध महाविद्यालयों के उत्थान हेतु एक विस्तृत रोडमैप प्रस्तुत किया। सरकारी एवं सहायता प्राप्त महाविद्यालयों से परामर्श किया जा चुका है और स्ववित्तपोषित संस्थानों के साथ बैठकें प्रस्तावित हैं। प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शोध अधोसंरचना का विकास, मान्यता परिणामों में सुधार और संस्थागत रैंकिंग को बढ़ाना शामिल है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण और फैकल्टी चयन की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और सभी अभिलेख विश्वविद्यालय सर्वर पर सुरक्षित रखे जाएंगे।

NBT

जेब पर बोझ | एलयू दीक्षी ने फीस बढ़ोतरी वापस लेने से किया इनकार, कहा- ब्यापिसी एजुकेशन के लिए शुल्क बढ़ोतरी जरूरी

PG में नहीं बढ़ेगी फीस, लेकिन UG में कोई राहत नहीं

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने पूर्वी कोर्सों की फीस बढ़ोतरी में कोई बदलाव नहीं करने से इनकार कर दिया है। विवि ने साफ कर दिया है कि कोर्स चलाने के लिए पूरी फीस लेना जरूरी है और ज्यादातर नए पाठ्यक्रमों में पूरी फीस पर ही कोर्स चलाने की तैयारी है। यह फैसला बीते दिनों हुई बैठक में लिया गया। इस बैठक में वीसी प्रो. जेपी सैनी ने मंगलवार को पूरी एलयू में बताई।

फीस पर बढ़ोतरी पर रोकथाम के बिना ही पूरा कराने के बाद मंगलवार को वीसी ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि विवि की फीस ओवरी कर रहा 2017 में बढ़ी थी। तब से रोजगार पाठ्यक्रम कोर्स की फीस बढ़ी है, जबकि कला कामर्स की फीस को बढ़ाया गया है। विवि ने किस लेकर सरकारी शुल्क ही बढ़ाए गए तय शुल्क बढ़ोतरी के गुणवत्तापरक शिक्षा दे

फीस में कोई बढ़ोतरी नहीं लेकर शोध : वीसी ने कहा कि पहले विवि में कोर्सवर्क में ही फीस 12 हजार थी, लेकिन अगला अलग विषय लिए गए विवि विषय के लिए एक हजार से विवि के लिए 2 हजार रुपये फीस छात्र अलग से देते थे। इस फीस में शुल्क प्रोग्रेसी में नहीं होती थी। हमने इसे खत्म कर एक मुश्त राशि तय कर दी है। इससे छात्रों को अलग-अलग विषय का शुल्क नहीं देना होगा। इससे छात्रों को पूरी फीस की प्रोग्रेसी नहीं जानी